www.shriramedu.com

9414015200

श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर

An ideal institute for Competitive Exams

हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777

HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES

Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- भारत का इतिहास

I, II Grade Teacher & REET

महाराणा प्रताप [1572-1597]

Gunjan
Date
Page

पिता :- राणा उदयसिंह
माता :- जयवन्ता बाई
जन्म :- (9) मई 1540 को कुम्भलगढ़ दुर्ग में हुआ।
राज्याभिषेक :- (28) फरवरी 1572 को गोगुन्दा में।
मृत्यु :- (19) जनवरी 1597 को चावण्ड में।
बचपन का नाम :- कीका
साहित्य में नाम :- पाथल

अकबर द्वारा प्रताप के पास भेजे गये दूत :-
Imp (i) जलाल खाँ कोरची → 1572 में भेजा।
(ii) मानसिंह → 1573 " "
Imp (iii) भगवान दास → 1573 " "
Imp (iv) टोडरमल → 1573 " "

हल्दीघाटी युद्ध [(18) जून (21) जून, 1576]

बदायूनी के अनुसार — अबुल फजल के अनुसार

→ इस युद्ध में मुगल सेना का नेतृत्व :- मानसिंह I था (आसफ खाँ)

→ मुगल सेना के हरावल दस्ते (अग्रिम पंक्ति) का नेतृत्व :- सैयद हाशिम तथा जगन्नाथ कच्छवा ने किया था।

→ प्रताप की सेना का नेतृत्व :- स्वयं प्रताप ने किया लेकिन प्रताप की सेना के हरावल दस्ते का नेतृत्व :- हाकिम खाँ सूर ने किया था।

→ हाकिम खाँ सूर प्रताप की ओर से लड़ता हुआ मुगल सेना द्वारा मारा गया।

→ इस युद्ध में ग्वालियर का शासक रामशाह तँवर प्रताप की ओर से लड़ते हुये प्रत्यक्षतः मारा गया था।

✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर
विषय :- भारत का इतिहास
I, II Grade Teacher & REET

74)

Gunjan
Date
Page

→ इस युद्ध में झाला बीदा ने (झाला मन्ना) ने प्रताप का राजकीय छत्र धारण करके प्रताप के बजाए युद्ध लड़के प्रताप के प्राण बचाये थे।

→ इस युद्ध में प्रताप का प्रिय घोड़ा :- चेतक घायल होकर मारा गया।

→ चेतक का चबूतरा (समाधि) :- बारडोली के समीप बलीचा में है

→ प्रताप का प्रिय हाथी :- रामप्रसाद मुगलों द्वारा पकड़ लिया गया। अकबर ने उसका नाम बदलकर पीरप्रसाद कर दिया।

→ मानसिंह के हाथी का नाम :- मरदाना था।
अकबर का श्रेष्ठ हाथी :- गजमुक्ता

→ अकबर का दरबारी इतिहासकार :- बदायूनी इस युद्ध का प्रत्यक्षदर्शी था। जिसने अपनी पुस्तक "मुन्तखाब उत्तवारीख" में इस युद्ध का आँखों देखा वर्णन किया है।

→ इस युद्ध को हल्दीघाटी नाम सर्वप्रथम :- कर्नल जेम्स टॉड ने दिया था।

→ कर्नल जेम्स टॉड ने इस युद्ध को मेवाड़ की थर्मोपॉली की संज्ञा दी है।

→ अबुल-फजल ने इस युद्ध को खमनौर का युद्ध तथा बदायूनी ने इस युद्ध को गोगुन्दा का युद्ध की संज्ञा दी है।

→ यह युद्ध प्रायः अनिर्णायक युद्ध माना जाता है।

9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर
विषय :- भारत का इतिहास
I, II Grade Teacher & REET

Gunjan
Date
Page

कुम्भलगढ़ का युद्ध [1578]

→ इस युद्ध में मुगल (अकबर) सेना का नेतृत्व 1- शाहबाज खाँ तथा प्रताप की सेना का नेतृत्व स्वयं प्रताप ने किया प्रताप की हार हुयी। तथा मुगलों ने कुम्भलगढ़ दुर्ग पर अधिकार कर लिया।

दिवेर का युद्ध [1582]

→ इस युद्ध में मुगल सेना का नेतृत्व अकबर के चाचा सुल्तान खाँ ने तथा प्रताप की सेना का नेतृत्व अमरसिंह ने किया था। इस युद्ध में मुगलों की हार हुई।

→ कर्नल जेम्स टॉड ने इस युद्ध को मेवाड़ का मैराथन/गौरव की संज्ञा दी है।

→ अकबर द्वारा प्रताप के विरुद्ध अंतिम अभियान 1585 में जगन्नाथ कच्छवाहा के नेतृत्व में भेजा गया था।

→ 1585 के बाद प्रताप ने चावण्ड को अपनी नयी राजधानी बनाया। और चावण्ड में ही (19) जनवरी 1597 को प्रताप की मृत्यु हो गई।

→ प्रताप के बाद उसका पुत्र अमरसिंह मेवाड़ का अगला शासक बना।

→ (1578) के कुम्भलगढ़ युद्ध के बाद प्रताप के पूर्व मंत्रियों भामाशाह व ताराचन्द ने चूलिया प्रपात के निकट प्रताप को 20,000 स्वर्ण मुद्राएँ दान दी थी। इस कार भामाशाह को मेवाड़ का उद्धारक कहा जाता है।